प्राचार्य संदेश...

प्रो. एस. वी. शर्मा, प्राचार्य

क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, अजमेर शिक्षा के क्षेत्र में अनुसंधान, विकास और विस्तार से संबंधित शैक्षिक गतिविधियों को साझा करने हेतु अपना ई–समाचार पत्र ला रहा है। जिसका मुख्य उद्देश्य है विद्यालयी शिक्षा के साथ–साथ शिक्षक शिक्षा के विभिन्न क्षेत्रों में उत्तरी भारत के राज्यों और संघ शासित प्रदेशों के प्रमुख संसाधन व्यक्तियों की शिक्षा संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करना। राष्ट्रीय शैक्षिक सम्मेलनों, संगोष्ठियों और शोध पत्रिकाओं में पेपर प्रस्तुतियों के रूप में संस्थान के संकाय सदस्यों के व्यक्तिगत शैक्षणिक योगदान को भी इस ई–समाचार पत्र में शामिल किया गया है। प्रायोगिक विद्यालय की विभिन्न गतिविधियों सहित यह पत्र संस्थान का समग्र दृष्टिकोण प्रस्तुत करता है। मैं संस्थान के ई–समाचार पत्र/पत्रिका संपादन समिति को प्रकाशित करने हेतु हार्दिक बधाई देता हूँ। छात्रों, शिक्षकों और अन्य शिक्षाविदों को उनकी शैक्षणिक गतिविधियों और सीखने के अनुभवों को साझा करने के लिए यह पत्र एक मंच प्रदान करने में सहायक होगा ऐसा मेरा विश्वास है।

संस्थान समाचार

संस्थान के पूर्व प्राथमिक विभाग, सरस्वती छात्रावास और अंबेडकर अतिथि गृह का अनावरण

माननीय निदेशक, एनसीईआरटी प्रोफेसर दिनेश प्रसाद सकलानी ने 16–17 अप्रैल, 2023 के दौरान संस्थान का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने संस्थान के नवनिर्मित सरस्वती छात्रावास, अंबेडकर अतिथि–गृह, पूर्व प्राथमिक विभाग, नवाचार केंद्र, गणित एवं भाषा प्रयोगशाला का अनावरण किया। इस अवसर पर उन्होंने संस्थान के संकाय सदस्यों, कर्मचारियों और विद्यार्थियों से संवाद भी किया। निदेशक महोदय ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को लागू करने हेतु संस्थान को अपनी भागीदारी सुनिश्चित करने को कहा। इस अवसर पर उन्होंने संस्थान के विद्यार्थी क्लब 'विज्ञान, गणित और पर्यावरण क्लब' और भूज्ञान सोसायटी का लोगो व गतिविधि रिपोर्ट जारी कर प्रोत्साहित किया। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए संकाय सदस्यों और विद्यार्थियों के साथ श्रमदान और पौधारोपण किया। उन्होंने संस्थान नैक पीयर टीम के निरीक्षण की तैयारियों का जायजा भी लिया।

प्रो. दिनेश प्रसाद सकलानी, निदेशक, एनसीईआरटी विद्यार्थी क्लब का लोगो व गतिविधि रिपोर्ट जारी कर प्रोत्साहित करते हुए

राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा के विकास हेतु जिला स्तरीय परामर्श बैठक

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के आधार पर राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा को विकसित करने के लिए, संस्थान ने उत्तरी क्षेत्र के राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों में जिला स्तरीय परामर्श बैठक आयोजित की। संस्थान ने उत्तरी क्षेत्र के 10 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों में 15 जिला स्तरीय परामर्श बैठकें भी आयोजित कीं। हरियाणा, दिल्ली, हिमाचल प्रदेश और पंजाब राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों लद्दाख और चंडीगढ़ में एक जिला स्तरीय परामर्श बैठक आयोजित की जबकि उत्तराखंड, राजस्थान राज्यों और केंद्र शासित प्रदेश जम्मू और कश्मीर के लिए 2 जिला स्तरीय परामर्श बैठकें आयोजित कीं। उत्तर प्रदेश के लिए 3 जिला स्तरीय परामर्श बैठकें आयोजित कीं। संस्थान द्वारा राज्यों के एससीईआरटी के सहयोग से जिला स्तरीय परामर्श बैठकों का आयोजन भी किया गया। इन बैठकों को नामित एनसीईआरटी नोडल अधिकारियों द्वारा समन्वित किया गया। इन बैठकों को परिषद द्वारा प्रदान किए गए दिशानिर्देशों और अनुसूचि के अनुसार आयोजित किया गया। इन जिला स्तरीय परामर्श बैठक में एनसीईआरटी के अधिकारियों ने भी भाग लिया। प्रो. दिनेश प्रसाद सकलानी, माननीय निदेशक, एनसीईआरटी ने देहरादून और टिहरी में उत्तराखंड राज्य के जिला स्तरीय परामर्श बैठक का उद्घाटन किया।

प्रो. दिनेश प्रसाद सकलानी, निदेशक, एनसीईआरटी उत्तराखंड राज्य के लिए जिला स्तरीय परामर्श बैठक का उद्घाटन करते हुए

प्रो. एस. वी. शर्मा, प्राचार्य, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, अजमेर ने राजस्थान राज्य के लिए जोधपुर और उत्तर प्रदेश राज्य के लिए कानपुर में जिला स्तरीय परामर्श बैठक का दौरा किया। उन्होंने प्रतिभागियों को जिला स्तरीय परामर्श बैठक के संबंध में राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा विकास के लिए राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के बारे में जानकारी दी। संस्थान द्वारा आयोजित बैठकों की सभी श्रेणियों में 1092 प्रतिभागियों ने भाग लिया और निर्धारित प्रश्नों पर अपनी बहुमूल्य टिप्पणियाँ और सुझाव दिए। परामर्शों को प्रमुख इलेक्ट्रॉनिक और प्रिंट मीडिया द्वारा भी कवर किया गया। संस्थान के राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों के राज्य समन्वयक ने जिला स्तरीय परामर्श बैठकों का समन्वय किया।

जनसंख्या शिक्षा पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन

संस्थान ने शिक्षाविदों को अपने अनुभव, शोध और नवाचार से संबंधित जानकारी को साझा करने के लिए दिनांक 15 से 17 नवंबर 2022 के दौरान जनसंख्या शिक्षा पर 3 दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया। राष्ट्रीय संगोष्ठी के दौरान 09 मुख्य व्याख्यानों के अलावा 12 समानांतर तकनीकी सत्र आयोजित किए गए। राष्ट्रीय संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र में एमडीएस विश्वविद्यालय अजमेर के कुलपति प्रोफेसर अनिल कुमार शुक्ला, मुख्य अतिथि और प्रोफेसर राजीव रतन शर्मा, डीन, जम्मू विश्वविद्यालय, सम्मानित अतिथि थे। सेमिनार का उद्घाटन भाषण प्रोफेसर एस.वी. शर्मा, प्राचार्य क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, अजमेर द्वारा दिया गया। संगोष्ठी में कुल 83 (19 आंतरिक एवं 64 बाहरी) प्रतिभागियों ने अपने शोध पत्र प्रस्तुत किए। संगोष्ठि में प्रमुख रूप से जनसंख्या शिक्षा; आवश्यकता और महत्व, जनसंख्या वृद्धि को नियंत्रित करने में शिक्षा की भूमिका, एनईपी 2020 में लिंग परिप्रेक्ष्य का विश्लेषण, आदि मुद्दों पर प्रकाश डाला गया। समापन सत्र के दौरान मुख्य अतिथि के रूप में प्रोफेसर के. के. शर्मा, पूर्व कुलपति, महर्षि दयानन्द सरस्वती विश्वविद्यालय, अजमेर तथा सम्मानित अतिथि के रूप में डॉ. टी. आर. रैना और डॉ. आर. एम. मोहला मौजूद रहे। राष्ट्रीय संगोष्ठी का समन्वयन डॉ. अश्विनी कुमार गुप्ता, सहायक आचार्य, जंतु विज्ञान द्वारा किया गया।

राष्ट्रीय संगोष्ठी की स्मारिका का विमोचन

शिक्षा के मूलभूत और प्रारंभिक चरणों के लिए खिलौना आधारित शिक्षाशास्त्र के एकीकरण पर क्षेत्रीय सम्मेलन का आयोजन

सम्मेलन के दौरान खिलौनों की प्रदर्शनी

संस्थान द्वारा शिक्षा के मूलभूत और प्रारंभिक चरण के लिए खिलौना–आधारित शिक्षाशास्त्र के एकीकरण पर दो दिवसीय क्षेत्रीय सम्मेलन 29–30 नवंबर, 2022 को आयोजित किया गया। सम्मेलन ने उत्तरी क्षेत्रों के राज्यों/केन्द्र शासित प्रदेशों को एक मंच प्रदान किया। शिक्षण में स्वदेशी और स्थानीय खिलौनों का उपयोग कैसे किया जा सकता है सम्मेलन के दौरान उत्तर भारत के 10 राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों के प्रतिभागियों ने अपने क्षेत्रीय खिलौने और शिक्षण–अधिगम की प्रक्रिया में उनके उपयोग को प्रस्तुत किया। प्रतिभागियों ने एनसीईआरटी के संदर्भ व्यक्तियों के साथ शिक्षण पद्धतियों में स्थानीय खेलों और खिलौनों के उपयोग से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर सार्थक विचार–विमर्श किया।

सम्मेलन में खेलों और खिलौनों के एकीकरण के लिए विभिन्न विषयों पर 08 सत्र आयोजित किऐ गऐ जिसमें ये हैं – खिलौना आधारित शिक्षाशास्त्र और राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020, मूलभूत और प्रारंभिक शिक्षा के लिए क्षेत्रीय खिलौनों/खेलों/नाटकों का एकीकरण, राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों द्वारा प्रस्तुति, खिलौनों/खेलों/नाटकों की प्रदर्शनी, खिलौना आधारित शिक्षाशास्त्र का अभ्यास, खिलौना आधारित शिक्षाशास्त्र के साथ अवधारणा। सम्मेलन के दौरान फाउंडेशनल स्टेज के खिलौनों की प्रदर्शनी भी लगाई गई। प्रदर्शनी में 110 से अधिक प्रतिभागियों और क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, अजमेर के छात्रों ने शिक्षण–अधिगम प्रक्रिया के लिए खिलौने प्रस्तुत किए। क्षेत्रीय सम्मेलन का आयोजन प्रारंभिक शिक्षा विभाग, एनसीईआरटी, नई दिल्ली के सहयोग द्वारा किया गया। प्रोफेसर संध्या संगई, डॉ. रोमिला सोनी और डॉ. आनंद आर्य ने क्षेत्रीय सम्मेलन का समन्वयन किया।

स्वतंत्रता दिवस समारोह

क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान एवं प्रायोगिक बहुद्देश्यीय विद्यालय के संकाय सदस्यों, विद्यार्थियों और कर्मचारियों द्वारा राष्ट्र का 76वां स्वतंत्रता दिवस पूरे उत्साह के साथ मनाया। इस अवसर पर संस्थान के प्राचार्य प्रो. एस.वी. शर्मा ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया। इस अवसर पर संस्थान व प्रायोगिक बहुउद्देशीय विद्यालय के विद्यार्थियों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किया गया। सांस्कृतिक कार्यक्रम के पश्चात् परिसर में वृक्षारोपण भी किया गया।

स्वतंत्रता दिवस समारोह की झलकियां

सिविल सोसायटी समूहों के साथ परामर्श कार्यशाला

माननीय राज्यपाल पंजाब और प्रशासक चंडीगढ़ श्री बनवारीलाल पुरोहित जी पंजाब विश्वविद्यालय में परामर्श कार्यशाला का उद्घाटन करते हुए

संस्थान ने राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा के विकास के लिए उत्तरी क्षेत्र के शैक्षणिक संस्थानों और नागरिक समाज समूहों की 03 परामर्श कार्यशाला का आयोजन किया। परामर्श कार्यशाला का उद्देश्य विद्यालयी शिक्षा व उच्च शिक्षा के मध्य सार्थक संलग्नता लाने हेतु गुणात्मक इनपुट प्राप्त करने के लिए किया गया। इसके लिए पहली परामर्श बैठक 10 को लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ में, दूसरी 14 अगस्त, 2022 को पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ में और तीसरी 17 अगस्त, 2022 को केंद्रीय विश्वविद्यालय, जम्मू में आयोजित की गईं। पंजाब विश्वविद्यालय में परामर्श कार्यशाला का उद्घाटन माननीय राज्यपाल पंजाब और प्रशासक चंडीगढ़ श्री बनवारीलाल पुरोहित जी द्वारा किया गया।

संस्थान के संकाय सदस्य प्रो. एसवी शर्मा, प्रो. राजेश मिश्र, प्रो. आयुष्मान गोस्वामी, प्रो. राम बाबू पारीक और डॉ. आनंद आर्य व प्रो. सरयुग यादव, भाषा शिक्षा विभाग, एनसीईआरटी, नई दिल्ली ने परामर्श कार्यशालाओं में भाग लिया। परामर्श कार्यशाला का समन्वयन प्रो. एस.वी. शर्मा, प्राचार्य, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, अजमेर द्वारा किया गया।

केंद्रीय विश्वविद्यालय, जम्मू में आयोजित परामर्श कार्यशाला के प्रतिभागी

ग्रेड 3 के लिए प्रदर्शन मानक स्थापित करने के लिए नीति–संबद्ध कार्यशाला का आयोजन

मानक निर्धारण की प्रणाली महत्वपूर्ण है क्योंकि यह मूल्यांकन परिणामों की व्याख्या में सुधार करती है। नीति निर्माण, नीति मूल्यांकन एजेंडे के लक्ष्य के साथ स्पष्टता निर्धारित करने के लिए एक रूपरेखा प्रदान करती है। इसे ध्यान में रखते हुए संस्थान में 21 जून से 24 जून 2022 के दौरान ग्रेड 3 के लिए प्रदर्शन मानक निर्धारण करने हेतु एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में, मूल्यांकन एवं सर्वेक्षण प्रभाग, एनसीईआरटी द्वारा देश के सभी भारतीय राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में फाउंडेशनल लर्निंग स्टडी द्वारा एकत्र किए गए आंकड़ों के आधार पर मानक–सेटिंग और बेंचमार्किंग कार्य आयोजित की गई। ग्रेड 3 के शिक्षार्थियों के बीच मूलभूत संख्यात्मकता और साक्षरता सीखने के स्तर का आकलन करने हेतु फाउंडेशनल लर्निंग स्टडी आयोजित की गई थी। प्रो. इन्द्राणी भादुड़ी, अध्यक्ष, मूल्यांकन एवं सर्वेक्षण प्रभाग, एनसीईआरटी ने कार्यशाला का समन्वयन किया तथा डॉ. आनंद आर्य कार्यशाला के स्थानीय समन्वयक रहे।

क्षेत्रीय पोस्ट NAS 2021 हस्तक्षेप हेतु क्षेत्रीय कार्यशाला का आयोजन

NAS 2021 की रिपोर्ट को समझने के उद्देश्य से संस्थान में क्षेत्रीय कार्यशाला का आयोजन 14–15 जुलाई 2022 के दौरान किया गया। इस कार्यशाला में जिला व राज्य स्तरीय एनएएस 2021 रिपोर्ट कार्ड में उल्लेखित सीखने के प्रतिफल को प्राप्त करने हेतु विचार विमर्श किया गया। प्रो. इन्द्राणी भादुड़ी, अध्यक्ष, मूल्यांकन एवं सर्वेक्षण प्रभाग, एनसीईआरटी ने कार्यशाला का समन्वयन किया तथा संस्थान के डॉ. आनंद आर्य ने इस कार्यशाला के स्थानीय समन्वयक के रूप में कार्य किया।

नव भारत साक्षरता कार्यक्रम के कार्यान्वयन पर कार्यशाला

संस्थान ने नव भारत साक्षरता कार्यक्रम के कार्यान्वयन पर 2 कार्यक्रम आयोजित किए। नव भारत साक्षरता कार्यक्रम के कार्यान्वयन पर पहला कार्यक्रम 25 मई, 2022 को तथा दूसरा कार्यक्रम 20 जून, 2022 को ऑनलाइन माध्यम से आयोजित किया। यह कार्यक्रम उत्तरी क्षेत्रों के राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों के एससीईआरटी और डीआईईटी संकाय के लिए लक्षित था। कार्यक्रम में जीवन कौशल के माध्यम से मूलभूत साक्षरता और संख्यात्मकता को कैसे प्राप्त किया जाए, इस बिन्दु पर विचार विमर्श किया गया। कार्यक्रम में दीक्षा पोर्टल के अनुप्रयोग, वीडियो एवं प्रशिक्षण मॉड्यूल के निर्माण, सूचना ग्राफिक्स, आईसीटी, ई–सामग्री के विकास जैसे प्रमुख वैचारिक बिंदुओं पर प्रकाश डाला। इस कार्यक्रम का आयोजन डॉ. उषा शर्मा, प्रारंभिक शिक्षा विभाग, एनसीईआरटी के निर्देशन में किया गया। कार्यक्रम के स्थानीय समन्वयक के रूप में डॉ. आनंद आर्य ने अपने दायित्व का निर्वाह किया।

मनोदर्पण और सहयोगः शिक्षा मंत्रालय सहयोग के मानसिक कल्याण पर कार्यक्रम

शैक्षिक हितधारकों के मानसिक कल्याण हेतु संस्थान द्वारा चार सप्ताह के अंतराल में 5 दिवसीय 'मनोदर्पण सहयोग' कार्यक्रम आयोजित किया जाता है। कार्यक्रम का प्रसारण सीआईईटी, एनसीईआरटी द्वारा सायं 05:00 बजे से 05:30 बजे के दौरान प्रधानमंत्री ई–विद्या एवं एनसीईआरटी आधिकारिक यू ट्यूब चैनल पर किया जाता है। इसमें संस्थान के संकाय सदस्य और विशेषज्ञों द्वारा विषयगत सत्र प्रसारित किए जाते हैं। कार्यक्रम के दौरान मानसिक स्वास्थ्य से जुड़े मुद्दों जैसे परीक्षा में तनाव, नशीली दवाओं के दुरुपयोग और अवसाद/चिंता आदि पर विभिन्न सत्र आयोजित किए जाते हैं। कार्यक्रम का समन्वयन डॉ. राजीव रंजन, सहायक आचार्य द्वारा किया जाता है।

एजुकेशनल ट्रेंड का प्रकाशन

संस्थान, शिक्षा के क्षेत्र में हुए शोधों के प्रसार, साझा और दस्तावेजीकरण के लिए अपनी शोध पत्रिका 'एजुकेशनल ट्रेंड (आरआईई अजमेर का एक जर्नल) शीघ्र ही प्रकाशित कर रहा है। यह पत्रिका (जर्नल) शोधकर्ताओं और शिक्षा के क्षेत्र में अनुसंधान कार्य में भाग लेने वाले शोधार्थियों के लिए एक मंच प्रदान करता है। इस जर्नल के प्रकाशन के लिए दो विशेष मुद्दों को सम्पादित और अंतिम रूप दिया गया है। प्रो. एस.वी. शर्मा, जर्नल के मुख्य सम्पादक हैं और प्रो. राजेश मिश्र और डॉ. बी.के. झा इसके संयोजक हैं।

अंतर महाविद्यालय एथलेटिक्स प्रतियोगिता का आयोजन

एमडीएस यूनिवर्सिटी, अजमेर की 35वीं इंटर–कॉलेज एथलेटिक्स प्रतियोगिता संस्थान में 22–24 दिसंबर, 2022 के दौरान आयोजित की गई। प्रोफेसर एस.वी. शर्मा ने कार्यक्रम की मुख्य अतिथि सुश्री छवि शर्मा, आरपीएस अजमेर का स्वागत किया। जिन्होंने आधिकारिक तौर पर एथलेटिक्स मीट की शुरुआत की। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि खेल एवं खेल बोर्ड, महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय, अजमेर के सचिव दिग्विजय चौहान थे। इस एथलेटिक्स प्रतियोगिता में 80 कॉलेजों के 750 से अधिक विद्यार्थियों ने विभिन्न खेल गतिविधियों जैसे रिले दौड़, बाधा दौड़, भाला फेंक, 200 मीटर दौड़, गोला फेंक आदि में भाग लिया। समापन सत्र में मुख्य अतिथि प्रोफेसर अनिल शुक्ल, उप कुलपति, महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय, अजमेर ने विभिन्न खेल स्पर्धाओं के विजेताओं को पुरस्कार वितरण किया।

गणतंत्र दिवस समारोह

संस्थान ने 26 जनवरी 2023 को भारत का 74वाँ गणतंत्र दिवस बड़े उत्साह के साथ मनाया। इस समारोह में संस्थान एवं प्रायोगिक विद्यालय के संकाय सदस्यों, छात्रों व उनके परिजनों ने भाग लिया। इस अवसर पर संस्थान के प्राचार्य प्रो. एस.वी. शर्मा ने ध्वजारोहण कर विद्यार्थियों को संबोधित किया। इस राष्ट्रीय महत्व के अवसर पर हरियाली व सुरक्षित पर्यावरण का संदेश देते हुए पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन भी किया गया।

गणतंत्र दिवस समारोह की झलकियां

विस्तार समाचार

अनुसंधान परियोजनाऐं

मध्य स्तर पर लागू करना: एक ब्लॉक स्तरीय अनुसंधान

ब्लॉक स्तर पर आवश्यकता–आधारित लागू करने और इसकी प्रभावशीलता देखने के लिए, संस्थान वर्ष 2018–19 से राजस्थान के भीलवाड़ा जिले के हुरड़ा ब्लॉक के 167 विद्यालयों में एक शोध अध्ययन कर रहा है। एनएएस 2017 व शोध रिपोर्ट के आधार पर ब्लॉक का चयन किया गया। छात्रों के आधारभूत मूल्यांकन और शिक्षकों के आवश्यकता मूल्यांकन आंकड़ों के आधार पर आवश्यकता–आधारित हस्तक्षेप की योजना बनाई गई है। हस्तक्षेपों ने कला समेकित शिक्षण और विद्यालय–आधारित मूल्यांकन प्रदान किया। शिक्षकों को ऑनसाइट सहायता प्रदान करने और सहकर्मी शिक्षण को बढ़ावा देने के लिए, प्रत्येक पंचायत से दो शिक्षकों की पहचान की गई है और उन्हें "कला समेकित शिक्षण" के माध्यम से सीखने के प्रतिफल प्राप्त करने के लिए मुख्य प्रशिक्षकों के रूप में प्रशिक्षित किया गया। वैकल्पिक रणनीतियों के माध्यम से भी हस्तक्षेप लागू किए गये। इनमें से कुछ हैं

- ब्लॉक के छात्रों के बीच सीखने के स्तर और दक्षताओं के विकास को बेसलाइन मूल्यांकन सर्वेक्षण (29–30 मार्च, 2019 को), नमूना आधारित मध्यावधि मूल्यांकन (5–9, सितंबर 2022 को) तथा अंतिम मूल्यांकन (10–11 मार्च, 2023) द्वारा सीखने के प्रतिफल पर आधारित परीक्षण सामग्री द्वारा पता किया गया और अध्ययन की आवश्यकताओं के अनुसार परिणामों का मूल्यांकन और विश्लेषण किया गया।
- आवश्यकता–आधारित हस्तक्षेपों की प्रभावशीलता का अध्ययन केस स्टडीज के माध्यम से किया।
- कम प्रदर्शन वाले सीखने के प्रतिफल में सुधार ब्लॉक के लिए सभी विद्यालयों में लर्निंग आउटकम पोस्टर और लर्निंग आउटकम बुकलेट के माध्यम से किया।
- सीखने और अनुभव साझा करने के लिए एक मंच प्रदान किया।

कार्यान्वित हस्तक्षेपों के कुछ परिणाम या निष्कर्ष हैं

- राज्य रिपोर्ट कार्ड में कक्षा 3, 5 और 8 के लिए राजस्थान के 33 जिलों में छात्रों के सीखने के स्तर और रैंकिंग में उल्लेखनीय सुधार हुआ है।
- अंतिम मूल्यांकन ने सभी श्रेणी और विषयों में छात्रों के सीखने के परिणामों में उल्लेखनीय सुधार दिखाया है।
- कार्यान्वित गुणवत्ता हस्तक्षेपों ने ब्लॉक के विद्यालयों में कक्षा प्रक्रियाओं को बदल दिया है। विषय–विशिष्ट शिक्षण परिणामों के साथ कला को समेकित करके, बढ़ी हुई रुचि, जुड़ाव और भागीदारी के साथ छात्रों के सीखने के परिणाम में सुधार किया है।
- प्रदान किए गए हस्तक्षेपों पर केस अध्ययन के निष्कर्ष कार्यान्वित हस्तक्षेपों की प्रभावशीलता को दर्शा रहे हैं और भविष्य के हस्तक्षेपों की योजना बनाने के लिए भी मार्गदर्शन कर रहे हैं।
- साझाकरण मंच और शिक्षक समूह ने शिक्षकों को साझा करने की अनुमति दी है। साथ–साथ सीखना ने ब्लॉक में सीखने का माहौल बनाया है।

प्रोफेसर एसवी शर्मा और डॉ. आनंद आर्य इस संस्थान परियोजना के अन्वेषक हैं।

मूलभूत साक्षरता और संख्यात्मकता के संदर्भ में प्रारंभिक बाल्यावस्था की देखभाल और शिक्षा की शैक्षणिक पद्धतियों का अध्ययन

वर्तमान शोध अध्ययन का उद्देश्य विभिन्न विद्यालयों के प्रारंभिक बाल्यावस्था की देखभाल और शिक्षा कार्यक्रम की शैक्षणिक पद्धतियों की पहचान कर उनका तुलनात्मक अध्ययन करना है। साथ ही क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, अजमेर व अन्य ईसीसीई केन्द्रों के बीच शैक्षणिक पद्धतियों के विभिन्न पहलुओं का पता लगाना है। इसमें मुख्यतया संज्ञानात्मक, पूर्व शैक्षिक, भाषा, स्वयं सहायता समूह, सामाजिक और खेल क्षेत्र है। इसके लिए एक उपकरण का विकास किया गया तथा कार्यशाला में इसकी पुष्टि की गई। इस प्रोजेक्ट के लिए आँकड़े विभिन्न ईसीसीई केन्द्रों, जिसमें चार आँगनवाड़ी केन्द्र तथा प्रायोगिक बहुद्देश्यीय प्रायोगिक विद्यालय, अजमेर, भोपाल, भुवनेश्वर व मैसूर के प्री–विद्यालय तथा प्राथमिक विद्यालय से एकत्र किया। निर्देशात्मक विविधताएँ व शैक्षणिक पद्धतियों से संबंधित आँकड़े दो निजी केन्द्रों से भी एकत्रित किए गए। अध्ययन के पश्चात् शोध अध्ययन में बुनियादी ढाँचे और संसाधनों के अलावा प्रारंभिक बाल्यावस्था की देखभाल व शिक्षा द्वारा उपयोग की जाने वाली शैक्षणिक पद्धतियों में भी अंतर पाया गया। बच्चों की मूलभूत साक्षरता और संख्यात्मकता के स्तर में भी अंतर पाया गया। मूलभूत साक्षरता और संख्यात्मकता स्तर पर शैक्षणिक पद्धतियों को मानकीकृत करने की आवश्यकता है। डॉ. राजीव रंजन, सहायक प्रोफेसर इस परियोजना के अन्वेषक हैं।

उत्तरी क्षेत्र के विद्यालयों में ऑनलाइन और डिजिटल संसाधनों के उपयोग से शिक्षकों और विद्यार्थियों के मध्य विकसित दक्षताओं का अध्ययन

यह अध्ययन उत्तरी क्षेत्र के सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के लिए किया गया। अध्ययन के उद्देश्यों के अनुसार प्रत्येक राज्य और केंन्द्रशासित प्रदेश के 10 विद्यालयों की पहचान राज्यों/केन्द्रशासित प्रदेशों से नामित एक नोडल अधिकारी के माध्यम से की गई। सर्वेक्षण के लिए हर राज्य से 10 विद्यालय चुने गए। सभी विद्यालय स्थान, आकार, प्रकार के संदर्भ में विविध थे। जिसके अध्ययन हेतु प्रश्नावली व अनुसंधान उपकरणों का निर्माण कार्यशाला में किया गया। सर्वेक्षण के लिए विद्यालय प्रधान, शिक्षक व विद्यार्थियों के लिए उपकरणों और प्रश्नावलियों का निर्माण किया गया। अनुसंधान उपकरणों डिजीटल उपकरणों की उपलब्धता, उनकी पहुँच, उनके शिक्षण में उपयोग तथा उनसे विकसित दक्षताओं पर आधारित थे। अध्ययन के लिए 86 विद्यालयों के 770 शिक्षकों से आंकड़े संकलित किए गए। अध्ययन के लिए विकसित दक्षताओं को 4 स्तर पर परीक्षण किया गया जो कोई नहीं, आधारभूत, मध्यमवर्ती व उन्नत के पैमाने पर आधारित था। अध्ययन के दौरान पाया गया कि ऑनलाइन और डिजिटल संसाधनों के उपयोग से आधारभूत स्तर की दक्षताएं विकसित हुईं। प्रो. राम बाबू पारीक इस प्रोजेक्ट के प्रधान अन्वेषक हैं।

लद्दाख के माध्यमिक विद्यालयों में परिवहन सुविधाओं के उपयोग और प्रभाव का अध्ययन

इस अनुसंधान प्रोजेक्ट का मुख्य उददेश्य केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख के माध्यमिक विद्यालयों में भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय की समग्र शिक्षा योजनाओं के अन्तर्गत परिवहन सुविधाओं की स्थिति एवं प्रभाव का अध्ययन करना है। अध्ययन के लिए उद्देश्यों के अनुसार अध्ययन उपकरणों निर्माण कार्यशाला में किया गया तथा उन्हें राजस्थान राज्य के माध्यमिक विद्यालयों में प्रयोग कर परीक्षण किया। सत्यापन के बाद, लेह के 44 नमूना विद्यालयों और लद्दाख के कारगिल जिले के 19 नमूना विद्यालयों में उपकरण प्रशासित कर आंकड़ों का संकलन किया गया। आंकड़ों के विश्लेषण से ज्ञात होता है कि जहाँ तक बजट के उपयोग का संबंध है, केंद्र शासित प्रदेश में भौगोलिक स्थिति और दूर–दराज के क्षेत्रों को ध्यान में रखते हुए छात्रावास और आवासीय विद्यालयों की स्थापना पर ध्यान केंद्रित किया गया है। कारगिल जिले के कुछ छात्रों को परिवहन सुविधा भी प्रदान की गई है। अधिकांश विद्यालयों में समग्र शिक्षा के अन्तर्गत परिवहन सुविधा हेतु कोई बजट उपलब्ध नहीं है तथा इसकी व्यवस्था विद्यालय/अभिभावकों/समुदाय द्वारा प्रभार के आधार पर की जाती है। अनुरोध पर भारतीय सेना द्वारा विद्यार्थियों को परिवहन सुविधा भी उपलब्ध कराई जाती है। समग्र शिक्षा के अंतर्गत परिवहन/आवासीय विद्यालय/छात्रावास सुविधाएँ विद्यालयों में नामांकन, प्रतिधारण में सुधार करने और छात्रों के समग्र विकास में योगदान देने में सफल रही हैं। तथापि, परिवहन/आवासीय विद्यालय/छात्रावास सुविधाओं से संबंधित कुछ मुद्दों पर भी ध्यान दिया गया है और उन्हें प्राथमिकता के आधार पर हल करने की आवश्यकता है। डॉ. आर. के. शर्मा प्रोजेक्ट के प्रधान अन्वेषक हैं।

उत्तराखंड राज्य में कोविड 19 महामारी के दौरान प्राथमिक शिक्षा में अधिगम अंतराल, चुनौतियाँ और नवाचार

वर्तमान शोध का उद्देश्य कोविड–19 महामारी के कारण छात्रों के समग्र विकास (संज्ञानात्मक, स्वास्थ्य और कल्याण, सामाजिक – व्यक्तिगत) में अंतराल का अध्ययन करना है। कोविड के दौरान शिक्षकों, विद्यालय प्रधान, अभिभावकों, विद्यार्थियों और शिक्षा पदाधिकारियों द्वारा सामना की गई चुनौतियों और अपनाए गए नवाचार – शोध प्रश्न थे। अध्ययन में मिश्रित अनुसंधान डिजाइन और सर्वेक्षण पद्धति का पालन किया गया है, और बहु सोपान प्रतिदर्शन तकनीकों का उपयोग करके प्रतिदर्श का चयन किया गया । शोध अध्ययन के लिए उत्तराखंड के दो जिलों – टिहरी गढ़वाल को सामान्य जिले और हरिद्वार को आकांक्षी जिले के रूप में चिह्नित किया गया। अध्ययन के लिए अनुसंधान उपकरण प्रश्नावली का निर्माण समूह चर्चा के द्वारा कार्यशाला में किया गया। तत्पश्चात् कार्यशाला में विकसित उपकरणों का उपयोग कुल 40 विद्यालयों के आँकड़े संग्रह हेतु किया गया। प्रत्येक जिले के ग्रामीण और शहरी ब्लाक से 05 विद्यालय, तथा प्रत्येक विद्यालय से प्रधानाध्यापक, 5 शिक्षक, 20 विद्यार्थी व 10 अभिभावकों से आँकड़ों का संकलन किया गया। छो 2021 के परिणामों का उपयोग कक्षा 3 व 5 में सीखने के अंतराल की पहचान के लिए किया गया। अध्ययन के प्रमुख निष्कर्ष में सीखने के संदर्भ में उनके संज्ञानात्मक, स्वास्थ्य, सामाजिक – व्यक्तिगत व व्यावसायिक विकास में अंतराल पाया गया।

- शिक्षार्थियों के समग्र विकास के संबंध में कुछ प्रमुख अंतराल पाए गए जो उनके भावनात्मक विकास को बाधित करते हैं।
- व्यावसायिक कौशल जैसे लिखावट, विद्यालय के कार्यों को पूरा करना और स्वतंत्र रूप से काम करने के क्षेत्र में सीखने की कमी दर्ज की गई हैं।
- छात्रों में विशिष्ट स्तर के पढ़ने, लिखने, बोलने, सुनने और संख्यात्मक कौशल की कमी देखी गई है। छात्रों की शारीरिक और मानसिक सेहत पर भी असर हुआ है। हितधारकों द्वारा यह भी व्यक्त किया गया है कि छात्रों को स्मार्टफोन की लत लग गई है और उन्हें खराब दृष्टि, एकाग्रता में कमी और चिड़ चिड़ापन जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। यह एक सामान्य टिप्पणी है कि संचार कौशल में कमी व गृहकार्य पूरा करने लिए तैयार न होना प्रमुख हैं।

यह शोध अध्ययन सभी क्षेत्रीय शिक्षा संस्थानों द्वारा आयोजित राष्ट्रीय अध्ययन का हिस्सा है। डॉ. आनंद आर्य, प्रोजेक्ट के प्रमुख अन्वेषक हैं।

प्रशिक्षण

क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान उत्तरी क्षेत्र के 10 राज्य/केंद्र शासित प्रदेशों की शैक्षिक आवश्यकताओं को पूरा करता है। राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों की शैक्षिक आवश्यकताओं के अनुसार, संस्थान चिह्नित विषयों पर क्षमता निर्माण कार्यक्रम आयोजित करता है। वर्ष 2022–23 के लिए सूचना एवं संचार प्रोद्यौगिकी समेकित शिक्षण, MOOCs के निर्माण पर, व्यावसायिक शिक्षा, अनुभवात्मक शिक्षा, अनुसंधान पद्धति और आंकड़ों का विश्लेषण और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंसी पर विभिन्न क्षमता संवर्द्धन कार्यक्रमों का आयोजन किया। प्रशिक्षित व्यक्तियों का उपयोग राज्य द्वारा राज्य संसाधन समूह या मास्टर प्रशिक्षकों के रूप में किया जाता है।

क्र.सं.	कार्यक्रम को शीर्षक	स्थान और तरीखें	प्रतिभागियों की संख्या
1.	Capacity Building Programme for SRGs of Northern region on Development of MOOCs	चरण–1 स्थानः क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, अजमेर दिनांकः 9–13 जनवरी, 2023	39
		चरण–2 स्थानः क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, अजमेर दिनांकः 13–15 मार्च, 2023	26
2.	Orientation Programme of Key Functionaries and SRGs in Strengthen Vocational Education	स्थानः क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, अजमेर दिनांकः 16–20 जनवरी, 2023	42
3.	Capacity Building programme for the SRGs of Northern Region on attainment of Learning Outcomes through ICT integrated pedagogy at Secondary stage	स्थानः क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, अजमेर दिनांकः 5–9 दिसंबर, 2022	40
4.	Capacity Building of SRGs in the Experiential Learning Strategies in Science at Secondary Level	स्थानः क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, अजमेर दिनांकः 12–16 दिसंबर, 2022	24
5.	Capacity Building for the faculty of DIET's on Research Methodology and Data Analysis	राजस्थान राज्य के लिएः स्थानः क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, अजमेर दिनांकः 6–10 फरवरी, 2023	26
		केन्द्रशासित प्रदेश जम्मू और कश्मीर और लद्दाख के लिए स्थानः एस.सी.ई.आर.टी., कश्मीर डिविजन दिनांकः 27 फरवरी–03 मार्च 2023	37
6.	Capacity building programme for SRGs on Artificial Intelligence	स्थानः क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, अजमेर दिनांकः 30 जनवरी – 03 फरवरी, 2023	29

शैक्षणिक मंच व्याख्यान श्रृंखला

संस्थान के अकादमिक मंच के तहत, आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ ने संकाय और विद्यार्थियों के लिए व्याख्यान आयोजित किए। वर्ष 2022–23 के लिए विषय राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के पहलू और इसका कार्यान्वयन रहे। शैक्षणिक मंच का आयोजन संस्थान के संकाय सदस्यों के मध्य शैक्षणिक शिक्षण–वातावरण और व्यावसायिक विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से किया गया है। आयोजित किए गए कुछ प्रमुख व्याख्यान इस प्रकार हैं

- गुणवत्ता संकेतक ढाँचाः राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के संदर्भ में उच्च शिक्षा संस्थानों में उत्कृष्टता की तलाश (06 जुलाई, 2022)
- राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के संदर्भ में शिक्षार्थियों के बीच बुनियादी मूल्यों को विकसित करने का एक दृष्टिकोण (13 जुलाई, 2022)
- राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020: जीवन कौशल और संवैधानिक मूल्य (27 जुलाई, 2022)
- राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020: रचनात्मकता और नवाचार (08 अगस्त, 2022)
- वर्तमान परिदृश्य में गाँठदार वायरसः कारण, सावधानी और इलाज (14 सितंबर, 2022)

प्रख्यात शिक्षाविदों के विस्तार व्याख्यान

प्रख्यात शिक्षाविदों के विस्तार व्याख्यानों की श्रृंखला संस्थान के विद्यार्थियों एवं संकाय सदस्यों को अकादमिक बातचीत के लिए एक मंच प्रदान करती है। इस कार्यक्रम में प्रख्यात शिक्षाविदों को समसामयिक प्रमुख मुद्दों पर व्याख्यान देने और ज्ञान साझा करने के लिए आमंत्रित किया जाता है। कार्यक्रम का उद्देश्य अकादमिक उत्कृष्टता को बढ़ावा देना है। साथ ही नवीन सोच और अनुसंधान को प्रोत्साहित करना है। वर्ष 2022–23 के लिए, विस्तार व्याख्यान का विषय राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुप्रयोग पहलुओं पर रहा।

प्रो.आरपी तिवारी, कुलपति, पंजाब केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा प्रख्यात शिक्षाविदों के विस्तार व्याख्यान

इस सत्र में प्रख्यात शिक्षाविद् द्वारा विभिन्न विषयों पर कुल 7 विस्तार व्याख्यान दिए गए। जो इस प्रकार हैं –

- ग्रीन विद्यालय– सतत् भविष्य के लिए जिम्मेदार शिक्षा, पर 29 जुलाई, 2022 को श्री वीरेंद्र रावत, प्रवर्तक ग्रीन विद्यालय और ग्रीन यूनिवर्सिटी के द्वारा व्याख्यान।
- राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में दर्शित शिक्षक शिक्षा में सुधार पर 30 अगस्त, 2022 को प्रोफेसर दिव्या नागर पूर्व कुलपति राजस्थान विद्यापीठ उदयपुर द्वारा व्याख्यान।
- राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में परिकल्पित व्यावसायिक शिक्षा की पुनर्कल्पना पर 01 सितंबर, 2022 को प्रो. राजेश पी. खंभायत, पूर्व संयुक्त निदेशक, पंडित सुंदर लाल शर्मा केंद्रीय व्यावसायिक शिक्षा संस्थान और एनटीटीटीआर, भोपाल द्वारा व्याख्यान।
- बदलते पाठ्यक्रम, परिवर्तनकारी शिक्षा, पर 11 नवंबर, 2022 को प्रो. राघवेन्द्र पी. तिवारी, कुलपति, पंजाब केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा व्याख्यान।
- राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के आलोक में अल्पसंख्यक शिक्षा पर 12 दिसंबर, 2022 को श्री ऐज़ाज़ अहमद, जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी, अजमेर।
- राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के गणितीय पहलू पर 17 जनवरी, 2023 को प्रो. जी. रवींद्र, पूर्व निदेशक, एनसीईआरटी द्वारा व्याख्यान।
- वैश्विक कल्याण के लिए वैश्विक विज्ञान, पर 28 फरवरी, 2023 को डॉ. सुधीर कुमार मिश्रा, प्रतिष्ठित वैज्ञानिक और पूर्व महानिदेशक (ब्रह्मोस), डीआरडीओ, द्वारा व्याख्यान।

विकास एवं अन्य गतिविधियाँ

संस्थागत संसाधन (इंस्टीट्यूशनल रिपोजिटरी)

इंस्टीट्यूशनल रिपोजिटरी संस्थान की एक बौद्धिक उत्पादन की डिजिटल प्रतियों को संरक्षित और प्रसारित करने के लिए ऑनलाइन संग्रह है। जिसका प्रमुख उद्देश्य संस्थान की बौद्धिक सामग्री का संरक्षण और दीर्घकालिक पहुँच को सुनिश्चित करना है। क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, अजमेर के संस्थागत संसाधन को विकसित करने की परियोजना वर्ष 2019 में शुरू की गई थी। इंस्टीट्यूशनल रिपोजिटरी को पर्याप्त हार्डवेयर और मानव संसाधनों द्वारा समर्थित डीस्पेस सॉफ्टवेयर का उपयोग करके विकसित किया गया है। संस्थान की विद्वतापूर्ण सामग्री की व्यापक पहुँच और दृश्यता को बढ़ावा देने के लिए अनुसंधान परियोजनाओं, प्रतिवेदन, प्रशिक्षण और अभिविन्यास परिणाम, विद्यार्थी शोध प्रबंध, संकाय अनुसंधान उपलब्धियों सहित अन्य दस्तावेजों का प्रसार किया जा रहा है। पुस्तकालय ने क्यूआर कोड के माध्यम से ओपेक संस्थान के संसाधन, वर्तमान सामग्री, सदस्यता प्राप्त पत्रिकाओं और समाचार–पत्रों, पुस्तक माँग, उपयोगकर्ता निर्देश और संस्थान की वेबसाइट तक पहुँच प्रदान करके अपनी सेवाओं को विस्तार किया है। वर्तमान सत्र में 230 दस्तावेजों के मेटाडेटा अद्यतन किया गया। 27 प्रकाशन अपलोड किए गए और ओसीआर के लिए 7554 पेज स्केन किये गये। डॉ. बी.के. झा, उप पुस्तकालयाध्यक्ष परियोजना के समन्वयक हैं।

प्रायोगिक बहुद्देश्यीय विद्यालय में कला समेकित अनुभवात्मक शिक्षा का कार्यान्वयन

कला समेकित गतिविधियों का प्रदर्शन करते छात्र

शिक्षा में कला को शैक्षणिक उपकरण के रूप में समेकित करने और कला समेकित शिक्षण दृष्टिकोण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से संस्थान के प्रायोगिक बहुद्देश्यीय विद्यालय, अजमेर में कला समेकित अनुभवात्मक शिक्षा का कार्यान्वयन किया। जिसके अन्तर्गत विद्यालय के शिक्षकों को 18–22 जुलाई 2022 के दौरान कला समेकित अधिगम पर क्षमता संवर्द्धन किया गया। कार्यक्रम के तहत लगभग 2000 वर्ग फुट के क्षेत्र में विद्यालय की दीवारों पर चित्रकारी की गई। इस कार्यक्रम में कला को विषयों के साथ जोड़ने के लिए विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस कार्यक्रम के अंतर्गत विद्यालय के विद्यार्थियों ने बेयरफुट कॉलेज, तिलोनिया गाँव अजमेर का भी दौरा किया। विद्यालय में विद्यार्थियों द्वारा समेकित प्रदर्शनी के माध्यम से विभिन्न कला के रूपों से परिचित कराते हुए कला समेकित शिक्षा पर प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। डॉ. प्रियंका चतुर्वेदी, सहायक हेड मास्टर ने कार्यक्रम का समन्वयन किया।

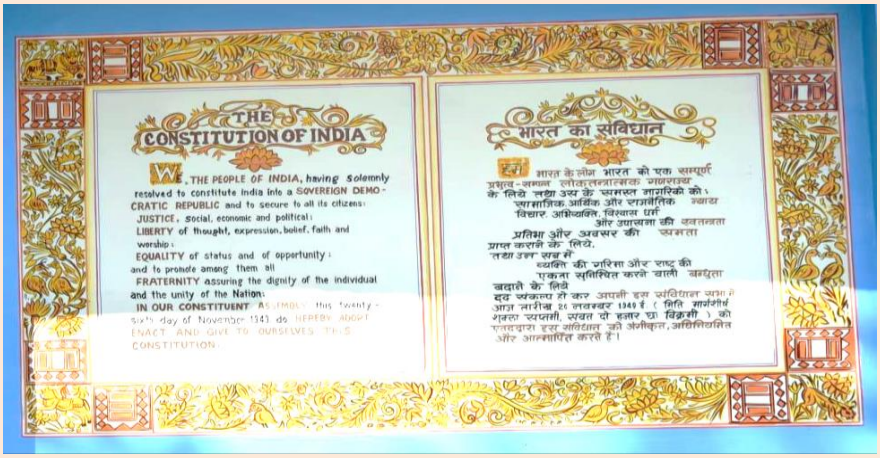

प्रोजेक्ट के अंतर्गत दृश्य कला

मुस्कुराता बचपन: प्रारंभिक बाल्यावस्था (देखभाल और शिक्षा)

प्रारंभिक बाल्यावस्था किसी व्यक्ति के जीवन में सबसे प्रभावी और सबसे महत्वपूर्ण विकास की अवधि होती है और इसे आम तौर पर उस नींव के रूप में माना जाता है जिस पर उसके शेष जीवन का निर्माण होता है। अनुसंधान आधारित कार्यान्वयन रणनीति के एक भाग के रूप में, संस्थान ने 3 से 5 वर्ष की आयु वर्ग के छात्रों को शिक्षा की मुख्यधारा में शामिल होने से पहले सीखने की प्रक्रिया का हिस्सा बनने के उद्देश्य से एक प्रारंभिक बचपन कार्यक्रम शीर्षक ''मुस्कुराता बचपन'' द्वारा प्रमुख भूमिका निभाई।

इसका उद्देश्य प्रारंभिक बाल्यावस्था की देखभाल और शिक्षा के लिए आदर्श विकसित करना है। परियोजना के लिए, आईसीटी ने समायोज्य बैठने, पुस्तकालय, गतिविधि कक्ष, पहेली आदि के साथ अच्छी तरह से सुसज्जित आकर्षक कक्षाओं को समृद्ध किया। कठपुतली, संगीत कक्ष और खेल के मैदान का लाभ उठाया गया। छात्रों के व्यावहारिक और निरंतर विकास के लिए विभिन्न शैक्षिक विधियों जैसे खेल विधि, कहानी कहने की विधि के दौरान सीखने का उपयोग किया गया। पूर्व–विद्यालय के बच्चों के सीखने की प्रगति का आलोचनात्मक विश्लेषण किया गया और सहयोगी सुधार के लिए पहल को अपनाया गया। इस पहल को नियमित रूप से अभिभावकों के साथ साझा भी किया गया। डॉ राजीव रंजन, सहायक आचार्य, इस परियोजना के समन्वयक थे।

ई–संसाधनों का विस्तार

संस्थान ने, सत्र 2022–23 में सभी विषयों में विभिन्न स्तरों के लिए प्रधानमंत्री ई–विद्या डिजिटल शिक्षा कार्यक्रम के तहत 41 ई–सामग्री (ऑडियो/वीडियो) विकसित की हैं। इन कार्यक्रमों का निर्माण शिक्षकों एवं शिक्षक के शैक्षणिक और सामग्री संवर्धन को ध्यान में रखकर किया जाता है। डॉ. रामबाबू पारीक, आचार्य, रसायन शास्त्र इस कार्यक्रम के संयोजक हैं।

पर्यावरण थीम पार्क

संस्थान ने जैव विविधता एवं पर्यावरण आधारित विद्यालयी शिक्षा कार्यक्रमों को मजबूत करने के लिए एक पर्यावरण थीम पार्क विकसित और प्रक्षेपित किया है। इसके लिए संस्थान का पर्यावरण थीम पार्क विभिन्न पारिस्थितिक तंत्रों, औषधीय पौधों की संरक्षिका, ऊर्जा के गैर–पारंपरिक स्रोत के लिए एक केंद्र, एक ग्रीन हाउस, पानी और मिट्टी के संरक्षण और जैविक खेती का रखरखाव है। संरक्षण के विभिन्न पर्यावरण मुद्दों के प्रति संवेदनशील और जागरूक करने के लिए, गतिविधियों के विकास पर कार्यशाला का आयोजन किया गया है।

प्रकृति मेला में आयोजित प्रदर्शनी

विभिन्न पर्यावरणीय मुद्दों से संबंधित गतिविधियों के विकास हेतु 6 से 8 फरवरी, 2023 को तीन दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। 9 से 11 फरवरी तक इस कार्यक्रम के अंतर्गत प्रकृति मेला का आयोजन किया गया। इसमें एक प्रदर्शनी आयोजित की गयी जिसमें पर्यावरण शिक्षा के विभिन्न विषयों, पर्यावरण जागरुकता के मूल्य और मुद्दों पर प्रकाश डाला गया। संस्थान का थीम पार्क जैव विविधता को दर्शाता है। इसका उपयोग संस्थान व प्रायोगिक विद्यालय के विद्यार्थियों के व्यावहारिक शिक्षण हेतु किया जाता है। उत्तरी क्षेत्रों के कई संस्थान वनस्पति और जीवों की विविधता जानने के लिए थीम पार्क का दौरा करते हैं। डॉ. ओ. पी. मीणा, सहायक आचार्य, कार्यक्रम के समन्वयक हैं।

गणित प्रयोगशाला

विद्यार्थियों के बीच समस्या–समाधान तर्क, रचनात्मकता कौशल और रुचि विकसित करने के उद्देश्य से संस्थान ने गणित प्रयोगशाला विकसित की है। इस संबंध में, गणितीय गतिविधियों के लिए संक्षिप्त लेख तैयार किए गए हैं जिसमें कई विषयों को सम्मिलित किया गया है, जैसे कि गणितीय कार्यों का उपयोग करके दैनिक जीवन में आजीविका की समस्या को हल करना, पैटर्न के माध्यम से यूलर के संबंध को सत्यापित करना, दैनिक जीवन स्थितियों में समस्याओं को हल करना आदि शामिल हैं। प्रयोगशाला स्तर विशिष्ट सीखने के प्रतिफल के मॉडल प्रदर्शित करती है। गणित प्रयोगशाला में 'आरआईईए मैथ्स' ऐप भी विकसित किया गया जिसका उद्देश्य गणित सीखने के लिए एक डिजिटल समाधान प्रदान करना है। यह कक्षा 9वीं व 10वीं के छात्रों के लिए त्रिआयामी माध्यमों से एक बेहतर गणितीय समाधान प्रदान करता है। डॉ. पी. के. चौरसिया, आचार्य, कार्यक्रम के समन्वयक हैं।

विद्यार्थी गतिविधियाँ

विद्यार्थियों की समुदाय के साथ सहभागिता

संस्थान ने विद्यार्थियों को एक मंच प्रदान करने के उद्देश्य से समुदाय के साथ कार्यक्रम का आयोजन किया। जिसमें वे समुदाय के साथ एक संबंध स्थापित करने के लिए गतिविधियों का प्रदर्शन कर सकते हैं, सामुदायिक हितधारकों (माता–पिता, एसएमसी/एसडीएमसी, ग्रामीणों) के साथ शिक्षकों और विद्यार्थियों के साथ बातचीत कर सकते हैं और उन्हें शिक्षा के क्षेत्र में विभिन्न सरकारी योजनाओं के बारे में जागरूक कर सकते हैं। सत्र 2022–23 के लिए इस कार्यक्रम का आयोजन 29 नवम्बर से 08 दिसम्बर 2022 तक किया गया था। बी.एड. प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों के लिए कार्यक्रम 25 अप्रैल 2022 से मई 2022 के दौरान किया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत विद्यार्थियों ने आसपास के गाँव, विशेष विद्यालयों का दौरा किया। डॉ. ओ.पी. मीणा, सहायक आचार्य, डॉ. मीनाक्षी मीणा, सह आचार्य व डॉ. मुजम्मिल हसन, सहायक आचार्य कार्यक्रम के समन्वयक थे।

विद्यार्थियों की समुदाय के साथ सहभागिता कार्यक्रम में आयोजित गतिविधिया

अंतर्राष्ट्रीय पृथ्वी दिवस

संस्थान ने 22 अप्रैल, 2022 को अंतरराष्ट्रीय पृथ्वी दिवस मनाया। कार्यक्रम का विषय "हमारे ग्रह में निवेश करें" था। इस अवसर पर संस्थान के विद्यार्थियों का क्लब 'भूज्ञान सोसायटी' का विधिवत गठन किया गया। जलवायु संकट के मूल्य तात्कालिकता को उजागर करने और पृथ्वी संरक्षण के प्रति विद्यार्थियों में जागरूकता लाने के लिए एक पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता आयोजित की गई थी। कार्यक्रम का समापन परिसर में वृक्षारोपण अभियान के साथ हुआ, जिससे धरती को बचाने के लिए सहयोग की भावना विकसित हुई। डॉ. अल्बर्ट होरो, सह–आचार्य ने कार्यक्रम का समन्वयन किया।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

संस्थान के संकाय सदस्यों, विद्यार्थियों व कर्मचारियों ने 21 जून 2022 को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया। इस अवसर पर "हमारे दैनिक जीवन में योग का मूल्य और महत्व" विषय पर व्याख्यान आयोजित किया। डॉ. स्वतंत्र कुमार शर्मा, विवेकानंद केंद्र, अजमेर ने व्याख्यान दिया। कर्मचारियों और विद्यार्थियों ने योग के मूल्यवान गुणों को आत्मसात करते हुए योगासन किए। डॉ. वेद प्रकाश आर्य, सहायक आचार्य ने कार्यक्रम का संचालन किया।

स्वच्छता पखवाड़ा

स्वच्छता पखवाड़ा में आयोजित गतिविधियाँ

देशवासियों/नागरिकों के नैतिक एवं कर्त्तव्यों के निर्वहन हेतु स्वच्छता के महत्व को दर्शाने के लिए संस्थान ने 1–15 सितंबर, 2022 तक स्वच्छता पखवाड़ा मनाया। इस अवसर पर प्रोफेसर एस.वी. शर्मा ने समस्त संकाय सदस्यों और कर्मचारियों को संस्थान में स्वच्छ और हरित वातावरण बनाए रखने की शपथ दिलाई। स्वच्छ भारत अभियान का संदेश फैलाने और विद्यार्थियों के बीच जागरूकता पैदा करने के लिए परिसर में सफाई अभियान चलाया गया। कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों द्वारा रैली, पोस्टर और नारा लेखन प्रतियोगिता जैसी विभिन्न गतिविधियाँ आयोजित की गईं। डॉ. अनिल नैनावत, छात्र सलाहकार ने कार्यक्रम का समन्यवन किया।

शिक्षक दिवस

संस्थान ने 5 सितंबर, 2022 को शिक्षक दिवस मनाया। इस अवसर पर डॉ. विनोद शर्मा द्वारा व्यक्ति के जीवन में शिक्षक के मूल्य और महत्व पर एक व्याख्यान दिया गया। उन्होंने देश की आधुनिक शिक्षा प्रणाली को समृद्ध करने के लिए शिक्षक–छात्र दर्शन की प्राचीन संस्कृति को बनाए रखने पर जोर दिया। संस्थान के सेवानिवृत्त संकाय सदस्यों और पूर्व छात्रों ने इस अवसर पर अपनी उपस्थिति दी और उन्हें स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया। विद्यार्थियों ने शिक्षकों के प्रयासों को व्याख्यायित करते हुए एक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया। डॉ. अनिल नैनावत, छात्र सलाहकार ने कार्यक्रम का समन्यवन किया।

उत्सव के दौरान संस्थान के सेवानिवृत्त संकाय सदस्य और पूर्व छात्र

गांधी जयंती

संस्थान के संकाय सदस्यों, कर्मचारियों और विद्यार्थियों द्वारा 02 अक्टूबर, 2022 को गांधी जयंती मनाई गई। इस अवसर पर फिट और स्वस्थ भारत का संदेश फैलाने के लिए 'फिट इंडिया फ्रीडम रन 3.0' का आयोजन किया। फिटनेस को बढ़ावा देने और जागरूकता पैदा करने के लिए 'आजादी का अमृत महोत्सव' के एक हिस्से के रूप में इस पहल की शुरुआत की गई थी। लोगों से आग्रह किया गया कि वे किसी भी रूप में अपनी शारीरिक फिटनेस के लिए कुछ समय निकालें, सक्रिय जीवनशैली अपनाएं और भारत की आजादी के 75वें वर्ष के भव्य अवसर पर फिट रहने का संकल्प लें, यानी "आजादी के 75 साल, फिटनेस रहे बेमिसाल"। क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, अजमेर के प्राचार्य प्रोफेसर एसवी शर्मा के नेतृत्व में संस्थान के छात्रों, शिक्षकों और अन्य स्टाफ सदस्यों ने दौड़ में सक्रिय रूप से भाग लिया। फिट इंडिया फ्रीडम रन के बाद, संस्थान और डीएमएस के छात्रों ने गांधी बनो प्रतियोगिता और भजन गायन प्रतियोगिता जैसी विभिन्न गतिविधियों में भाग लिया, जिसके बाद विजेताओं को पुरस्कार वितरित किए गए। डॉ. अनिल नैनावत, छात्र सलाहकार ने कार्यक्रम का समन्यवन किया।

फिट इंडिया फ्रीडम रन के दौरान

संस्थान का 61वां स्थापना दिवस समारोह

संस्थान के संकाय सदस्यों, कर्मचारियों व विद्यार्थियों द्वारा संस्थान का 61वाँ स्थापना दिवस 30 अक्टूबर, 2022 को मनाया गया। इस समारोह के मुख्य अतिथि एनसीईआरटी के सचिव प्रोफेसर प्रत्यूष कुमार मंडल थे। प्रोफेसर मंडल ने शिक्षा के बुनियादी स्तर पर गुणात्मक एवं सुलभ शिक्षा प्रदान करने में एनसीईआरटी और क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान के सहयोगात्मक प्रयासों पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर एक पुस्तक प्रदर्शनी का आयोजन किया गया जिसमें विभिन्न प्रकार की शैक्षिक सामग्री प्रदर्शित की गयी। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने राजस्थानी संस्कृति के रंग बिखेरते हुए सांस्कृतिक कार्यक्रमों को प्रस्तुत किया। इस गरिमामय समारोह का समापन परिसर में वृक्षारोपण अभियान के साथ किया गया।

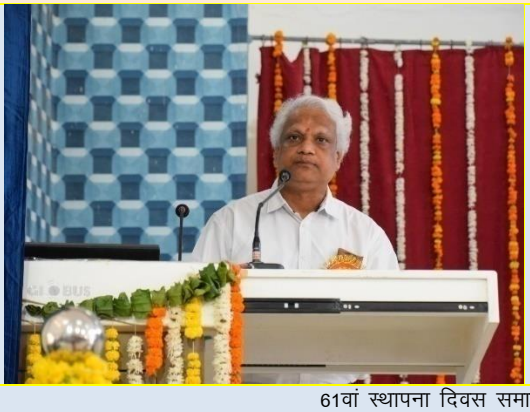

61वां स्थापना दिवस समारोह में आयोजित गतिविधियाँ

राष्ट्रीय सेवा योजना का उन्मुखीकरण कार्यक्रम

संस्थान द्वारा 18 जनवरी, 2023 को राष्ट्रीय सामाजिक सेवा के लिए उन्मुखीकरण कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें सामाजिक सेवा का समाज के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित करने के योगदान पर प्रकाश डाला गया। इस कार्यक्रम के साथ संस्थान में राष्ट्रीय सेवा योजना की शुरूआत की गयी।

राष्ट्रीय सेवा योजना के लिए ओरिएंटेशन कार्यक्रम के दौरान

एनसीसी गतिविधियाँ

संस्थान के एनसीसी कैडेटों द्वारा 23 सितम्बर 2022 को 'पुनीत सागर' सफाई अभियान का आयोजन किया गया। एनसीसी कैडेटों ने फॉय सागर झील, अजमेर में इस सफाई अभियान में भाग लिया। उन्होंने स्वच्छ जल निकायों और हरित परिवेश के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए नुक्कड़ नाटक भी प्रस्तुत किए। कार्यक्रम का समन्यवन डॉ. अनिल नैनावत, एएनओ ने किया।

एनसीसी कैडेटों द्वारा फॉय सागर झील, अजमेर में सफाई अभियान

अंतर–सदनीय गतिविधियों का आयोजन

संस्थान के अंतर–सदनीय गतिविधियों के आयोजन हेतु विभिन्न सदनों के पदाधिकारियों का चुनाव 11 नवंबर 2022 को सम्पन्न हुआ। छात्रों ने सत्र 2022–23 के लिए लोकतांत्रिक तरीके से अपने प्रतिनिधि का चुनाव किया। यह प्रक्रिया संस्थान के विभिन्न संकाय सदस्यों और स्टाफ सदस्यों की देखरेख में पूर्ण हुई। चुनाव के बाद प्रोफेसर एस. वी. शर्मा, प्राचार्य ने निर्वाचित प्रतिनिधियों को शपथ दिलाई। 12 से 14 दिसंबर, 2022 तक अंतर सदन गतिविधियों और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जिसमें सभी सदनों के छात्र–छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। विभिन्न प्रतियोगिताएं, जैसे – वाद–विवाद (अंग्रेजी और हिंदी), रंगोली, नारा लेखन और नृत्य प्रतियोगिताएं आदि का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का समन्यवन डॉ. अनिल नैनावत, छात्र सलाहकार के द्वारा किया।

अंतर–सदनीय प्रतियोगिताओं के दौरान गतिविधियाँ

अंतर –सदनीय खेल प्रतियोगिता का आयोजन

अंतर सदनीय खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन 15–16 एवं 19 दिसंबर, 2022 को किया गया जबकि 20 दिसंबर, 2022 को वार्षिक एथलेटिक मीट का आयोजन किया गया, जिसमें विभिन्न सदनों के विद्यार्थियों ने अलग–अलग खेल प्रतियोगिताओं में भाग लिया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. विनीत कुमार शर्मा, पीजीटी शारीरिक शिक्षा के द्वारा सम्पन्न हुआ।

अंतर सदनीय खेल प्रतियोगिताओं के दौरान गतिविधियाँ

अन्य गतिविधियाँ

- डॉ. भीमराव अम्बेडकर जयंती समारोह (14 अप्रैल, 2022)
- तंबाकू विरोधी जागरूकता कार्यक्रम (31 मई, 2022)
- राष्ट्रीय खेल दिवस उत्सव (29 अगस्त, 2022)
- अंतरराष्ट्रीय साक्षरता दिवस उत्सव (8 सितंबर, 2022)
- हिंदी दिवस उत्सव (14 सितंबर, 2022)
- नव प्रवेशित विद्यार्थियों के लिए उन्मुखीकरण कार्यक्रम (सितंबर, 2022)
- हिंदी भाषा सप्ताह (16 सितंबर – 29 सितंबर, 2022)
- विद्यार्थियों के लिए रैगिंग विरोधी उन्मुखीकरण कार्यक्रम (4 अक्टूबर, 2022)
- सतर्कता जागरूकता सप्ताह (31 अक्टूबर, 2022)
- साम्प्रदायिक सद्भाव सप्ताह (19–25 नवंबर, 2022)
- संविधान दिवस उत्सव (26 नवंबर, 2022)
- राष्ट्रीय गणित दिवस उत्सव (22 दिसंबर, 2022)
- वीर बाल दिवस उत्सव (26 दिसंबर, 2022)
- राष्ट्रीय युवा दिवस (13 जनवरी, 2023)

संकाय उपलब्धियाँ

प्रकाशित पेपर / लेख

- आर्य, ए. (2023) A Mini Review on Functionalized Ionic Liquid Immobilised Magnetic Nanoparticles promoted One- Pot Domino Synthesis of Diverse heterocyclic systems, *Mini Reviews in Organic Chemistry*, **20(1),** 35-44
- आर्य, ए. (2022) Nano crystalline $CuFe_2O_4$ catalyzed domino Heterocyclization of pyrano- fused benzothiazolopyrimidines, *Heterocyclic Letters* 12(2), 363-371
- प्रताप, आर. (2022) Plasticizing effect on polyethylene oxide doped ammonium perchlorate, *High Performance Polymers*, 34(6), 701-705
- प्रताप, आर. (2023) Dynamics of proton transport in Polyethylene oxide (PEO) with Ammonium perchlorate (NH_4ClO_4), *Macromolecular Symposia*, **407**, 2100450
- प्रताप, आर. (2023) Polycrystalline Solid-Solid Composite [$(NH_4)_2C_2O_4.H_2O:Al_2O_3$)]: Electrical and Structural Detail, *Macromolecular Symposia,* **407**, 2200120
- मिश्रा, आर., (2023), Rehnuma-e-Taleem Jadeed, page: 19-21 (ISSN-2582-998)
- रामनिवास (2023) ''विद्यालयी जीवन में व्यसन मुक्ति की शिक्षा'' शीर्षक आलेख 'गुर्जर राष्ट्रवीणा' त्रैमासिक अंक जनवरी–मार्च 2023 पृष्ठ 34–35 संपादकः नरेन्द्र जोशी, प्रकाशकः गुजरात प्रांतीय राष्ट्रभाषा प्रचार समिति, राष्ट्रभाषा हिंदी भवन एलिस ब्रिज, अहमदाबाद–380006, ISSN:2348-7844.
- रामनिवास (2023) ''परिवर्तित जीवनमान और भाषा, साहित्य शिक्षण'' शीर्षक आलेख 'नई शिक्षा' मासिक अंक फरवरी 2023 पृष्ठ 16–24 संपादकः कैलाश चतुर्वेदी प्रकाशकः सतीश कुमार चतुर्वेदी 'नई शिक्षा' 12 पद्म श्री एन.एस. भाटी पथ बनी पार्क जयपुर–16, RNI:3917/57.
- रामनिवास (2023) ''वर्तमान परिप्रेक्ष्य में साहित्य की शिक्षा'' शीर्षक शोध आलेख 'गवेषणा' त्रैमासिक शोध पत्रिका अंक अप्रैल–जून 2022 पृष्ठ 103–120 प्रधान संपादक प्रो. बीना शर्मा, प्रकाशकः विभागाध्यक्ष, अनुसंधान एवं भाषा विकास विभाग, केंद्रीय हिंदी संस्थान आगरा ISSN:0435-1460
- रामनिवास (2023) ''हिंदी भाषा अधिगम सम्प्राप्तिः एक परामर्श'' शीर्षक आलेख 'नई शिक्षा' मासिक अंक अगस्त 2022 पृष्ठ 8–14 संपादकः कैलाश चतुर्वेदी प्रकाशकः सतीश कुमार चतुर्वेदी 'नई शिक्षा' 12 पद्म श्री एन.एस. भाटी पथ बनी पार्क जयपुर–16, RNI:3917/57.
- रामनिवास (2023) ''विद्यालयी स्तर पर भाषा की कक्षा में परिचर्चा शिक्षण'' शीर्षक आलेख 'नई शिक्षा' मासिक अंक सितम्बर 2022 पृष्ठ 16–23 संपादकः कैलाश चतुर्वेदी प्रकाशकः सतीश कुमार चतुर्वेदी 'नई शिक्षा' 12 पद्म श्री एन.एस. भाटी पथ बनी पार्क जयपुर–16, RNI:3917/57
- हसन, एम. (2023), The Availability of Information and Communication Technology (ICT) Facilities in Elementary Schools of District Ghaziabad for Improving Learning Outcomes, *Shiksha Shodh Manthan*, 8(2), 07-12 ISSN: 2395–728X
- गुप्ता, ए. (2022), Air Pollution in the Course of Study Related to the Biological Science at Various Level, *International Research Journal of Innovations in Engineering and Technology* (IRJIET), 6(6), ISSN 2581-3048.
- गुप्ता, ए. (2022), Aquatic Resources and Water Pollution in the Course of Study Related to the Biological Science at Various Level. International Journal of Innovative Science, Engineering and Technology(IJISET), 9(6), 378-382
- गुप्ता, ए. (2022), Auditory System and Noise Pollution in the Course of Study Related to the Biological Science at Various Level, International Journal of Scientific Engineering and Applied Science(IJSEAS), 8(8), 9-17 ISSN- 2396-3470
- गुप्ता, ए. (2023), Soil and Land Pollution in the Course of Study Related to the Biological Science at Various Level. International Research Journal of Innovations in Engineering and Technology(IRJIET), 7(1)
- सुधा, एस. (2022) "जहाँ जहाँ रेणु बसते हैं" शीर्षक पुस्तक समीक्षा, पुस्तक–चिड़ियाँ रेणु की भाई बिरजू को, संक.– विद्यासागर गुप्ता, संपा.–प्रयाग शुक्ल, रुचिरा गुप्ता, बनास जन, संपा.–पल्लव, पृ.सं.–94.97, ISSN NO.-2231-6558
- सुधा, एस. (2022) "शिक्षा में भाषा और साहित्य का सांस्कृतिक पक्ष", पुस्तक– NEP 2020 : Indian Languages, Arts & Culture, Edited by Saryug Yadav & Ram Niwas, RIE Ajmer, (Conference Proceedings as Full Papers), P.N.-299-306, ISBN No.-978-81-956411-5-4
- सुधा, एस. (2022) "हिंदी साहित्य के भाषिक विकास में रीतिकालीन साहित्य का योगदान", पुस्तक– हिंदी साहित्य का इतिहास : कुछ पाठ, कुछ विमर्श–2, पृ.सं.-103-111, ISBN No.-978-93-92635-10-6

प्रकाशित पुस्तकें

- शर्मा, एस.वी. व आर्य, ए. ने शीर्षक 2023, Implementing interventions at Middle Stage: A Block Level Research पर पुस्तक प्रकाशित की (ISBN: 978-81-956411-1-6)
- शर्मा, एस.वी. ने शीर्षक. 2023, Thinking School: an experiment, Regional Institute of Education, Ajmer पर पुस्तक प्रकाशित की (ISBN: 978-81-956411-6-1)

पेपर प्रस्तुतियाँ

- आर्य, ए. ने क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, अजमेर द्वारा दिनांक 15–17 नवम्बर, 2022 को आयोजित National Seminar on Population Education में शोध पत्र शीर्षक Exploring determinants of reconceiving the mindset for maneuvering prenatal diagnostic technology as opportunity for gender biased selection प्रस्तुत किया गया।
- आर्य, ए. ने क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, अजमेर द्वारा दिनांक 15–17 नवम्बर, 2022 को आयोजित National Seminar on Population Education में शोध पत्र शीर्षक Exploring the student's perceptions and acuity on practices adopted during covid-19 period for sustainable learning in the states/UTs of northern region प्रस्तुत किया गया।
- आर्य, ए. ने क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, अजमेर द्वारा दिनांक 29–30 नवम्बर, 2022 को शोध पत्र शीर्षक Promoting Experiential Learning through Toys/Games/Play प्रस्तुत किया गया।
- गुप्ता, ए. ने क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, अजमेर द्वारा दिनांक 15–17 नवम्बर, 2022 को शोध पत्र शीर्षक Human population growth and its effect on the forest ecosystem प्रस्तुत किया गया
- हसन, एम. ने क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, अजमेर द्वारा दिनांक 15–17 नवम्बर, 2022 को शोध पत्र शीर्षक Role of schools in shaping and helping adolescents to understand and promote cyber wellness प्रस्तुत किया गया।
- नैनावत, ए.के. ने अग्रवाल पी.जी. कॉलेज, जयपुर द्वारा दिनांक 20–21 जनवरी, 2023 को शोध पत्र शीर्षक An Impact Study of Laboratory work on Teaching Learning of Science in International Conference on Emerging Trends in Environmental Sustainability" प्रस्तुत किया गया।
- शर्मा, एस.वी. ने भगवंत विश्वविद्यालय, अजमेर द्वारा दिनांक 16 मई, 2022 को शोध पत्र शीर्षक National Education Policy 2020 with reference to Key Changes in School Education and Higher Education: An Overview, Education Department प्रस्तुत किया गया।
- शर्मा, एस.वी. ने क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, अजमेर द्वारा दिनांक 29–30 नवम्बर, 2022 को शोध पत्र शीर्षक Toy Based Pedagogy in the light of NEP 2020 in Regional Conference on Toy based Pedagogy for Foundational and Preparatory Stage प्रस्तुत किया गया।
- शर्मा, आर.के. ने अग्रवाल पी.जी. कॉलेज, जयपुर द्वारा दिनांक 20–21 जनवरी, 2023 को शोध पत्र शीर्षक Sulphuric Acid Catalyzed Corrosion Inhibitory Activity of Aerial Parts of Phyllanthus Neruri on Aluminium, International Conference on Emerging Trends in Environmental Sustainability प्रस्तुत किया गया।

सेमिनार/सम्मेलन आदि में अध्यक्षता

- शर्मा, एस.वी. ने क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, अजमेर द्वारा दिनांक 29–30 नवम्बर, 2022 को आयोजित Regional Conference on Toy based Pedagogy for Foundational and Preparatory Stage में उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता की।
- शर्मा, एस.वी. ने क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, अजमेर द्वारा दिनांक 15–17 नवम्बर, 2022 को आयोजित National Seminar on Population Education में उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता की।
- शर्मा, एस.वी. ने सेंट्रल युनिवर्सिटी, जम्मू द्वारा दिनांक 17 अगस्त, 2022 को आयोजित Consultation workshop with civil society groups on national curriculum frameworks collaboration NCERT में उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता की।
- शर्मा, एस.वी. ने पंजाब युनिवर्सिटी, चंडीगढ़ द्वारा दिनांक 14 अगस्त, 2022 को आयोजित Workshop with civil society groups on national curriculum frameworks collaboration with National Council of Educational Research and Training (RIE Ajmer) में उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता की।
- शर्मा, एस.वी. ने लखनऊ युनिवर्सिटी, लखनऊ द्वारा दिनांक 10 अगस्त, 2022 को आयोजित Workshop with civil society groups on national curriculum frameworks in collaboration with National Council of Educational Research and Training (RIE Ajmer) में उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता की।
- मिश्रा, आर. ने क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, अजमेर द्वारा दिनांक 15.–17 नवम्बर, 2022 को आयोजित National Seminar on Population Education में प्रतिक्रिया और अनुशंसा सत्र की अध्यक्षता की।

पी.एच.डी. पर्यवेक्षण व उपाधि

- संस्थान के सहायक आचार्य डॉ. मुजम्मिल हसन को उनके थिसिस शीर्षक 'उत्तर प्रदेश में शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009 के कार्यान्वयन का एक अध्ययन' पर पी.एच.डी की उपाधि प्रदान की गयी। संस्थान की संकाय सदस्य डॉ. मीनाक्षी मीणा, सह आचार्य ने शोधार्थी मुजम्मिल हसन का पी.एच.डी. पर्यवेक्षण किया।

प्रायोगिक बहुउद्देशीय विद्यालय

विद्यालय की प्रमुख गतिविधि वं उपलब्धियाँ

परीक्षा पे चर्चा

परीक्षा पे चर्चा के चौथे संस्करण में, माननीय प्रधानमंत्री, श्री नरेंद्र मोदी का छात्रों, शिक्षकों और अभिभावकों के साथ संवादात्मक कार्यक्रम पहली बार आभासी मोड में कोविड–19 प्रोटोकॉल का पालन करते हुए आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम 7 अप्रैल, 2021 को शाम 7 बजे टीवी चैनलों और डिजिटल मीडिया पर हिंदी तथा अन्य प्रमुख भारतीय भाषाओं में प्रसारित किया गया। कार्यक्रम विद्यालयी शिक्षा और साक्षरता विभाग, शिक्षा मंत्रालय द्वारा राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की सक्रिय भागीदारी के साथ आयोजित किया गया। प्रायोगिक बहुउद्देशीय विद्यालय के माध्यमिक और वरिष्ठ माध्यमिक विद्यार्थियों, अभिभावकों और शिक्षकों ने ऑनलाइन मोड के माध्यम से परीक्षा पे चर्चा 2021 में भाग लिया। प्रायोगिक बहुउद्देशीय विद्यालय, अजमेर की ग्यारहवीं कक्षा की सुश्री दिव्यांका पाराशर को माननीय प्रधानमंत्री के साथ लाइव बातचीत के लिए चुना गया। यह कार्यक्रम 7 अप्रैल, 2021 को प्रसारित किया गया। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्र के विद्यार्थियों के साथ बातचीत की और परीक्षा तनाव, माता–पिता की अपेक्षा और शिक्षकों के दृष्टिकोण से संबंधित मुद्दों पर चर्चा की और उनकी समस्या का उपयोगी समाधान दिया। इस सत्र को रिकॉर्ड किया गया जिसे निम्नलिखित लिंक पर देखा जा सकता है (https:// www-youtube-com/watch?v=ktfsZXGPstg https://youtu-be/&e9EHEKIGdU)

प्रतिष्ठित व्यक्तियों के व्यक्तित्व पर अभिव्यक्ति शृंखला

प्रायोगिक बहुउद्देशीय विद्यालय द्वारा प्रतिष्ठित व्यक्तियों पर अभिव्यक्ति शृंखला के अंतर्गत विभिन्न अवसरों पर 7 व्याख्यान आयोजित किए। वर्ष 2022–23 के लिए इन अवसरों पर निबंध, पोस्टर मेकिंग, रोल प्ले, क्विज, रैली और फिट इंडिया फ्रीडम रन 3.0 आदि विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। श्री सरताज सिंह. पीजीटी, डीएमएस, अजमेर कार्यक्रम के समन्वयक रहे। व्याख्यानों का विवरण इस प्रकार है–

अवसर	वक्ताओं के नाम
डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन पर अभिव्यक्ति शृंखला (शिक्षक दिवस, 5 सितंबर, 2022)	डॉ. विनोद शर्मा (ब्रेनीवुड के सीईओ और सह.संस्थापक)
महात्मा गांधी पर अभिव्यक्ति शृंखला (अक्टूबर 02, 2022)	डॉ. विनोद टेकचंदानी, प्राचार्य जी.एस.एस.एस. हर्राजपुरा, मसूरदा
सरदार वल्लभ भाई पटेल पर अभिव्यक्ति शृंखला (राष्ट्रीय एकता दिवस, 31 अक्टूबर, 2022)	डॉ. अनूप कुमार अत्रे, एस.पी.जी.सी. अजमेर
मौलाना अबुल कलाम पर अभिव्यक्ति शृंखला (राष्ट्रीय एकता दिवस, 31 अक्टूबर, 2022)	प्रो.रीना व्यास, एस.पी.सी.जी.सी. अजमेर
संविधान दिवस पर अभिव्यक्ति शृंखला (26 नवंबर 2022)	डॉ. मनोज अवस्थी, एस.पी.जी.सी. अजमेर
श्रीनिवास रामानुज अयंगर पर अभिव्यक्ति शृंखला (राष्ट्रीय गणित दिवस, 22 दिसंबर, 2022)	सुश्री छवि शर्मा, आर.पी.एस.
राष्ट्रीय युवा दिवस, 12 जनवरी 2023 के अवसर पर अभिव्यक्ति शृंखला	डॉ. स्वतंत्र शर्मा प्रमुख, स्वामी विवेकानन्द केन्द्र

- भारत सरकार द्वारा चलाए जा रहे आजादी का अमृत महोत्सव अभियान के अन्तर्गत विद्यालय में **विरासत प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता** का आयोजन किया गया।

- **राष्ट्रीय योग ओलंपियाड (2022–**23) विद्यालय के विद्यार्थियों (जूनियर और सीनियर विद्यार्थियों) ने भाग लिया, जिसमें जूनियर लड़कों की टीम ने स्वर्ण पदक और सीनियर लड़कों की टीम ने रजत पदक जीता।

- **राज्य स्तरीय बॉक्सिंग प्रतियोगिता** : सत्र 2022–23 में विद्यालय के तीन विद्यार्थियों ने राज्य स्तरीय बॉक्सिंग प्रतियोगिता में प्रतिनिधित्व किया।
- **राज्य स्तरीय कराटे प्रतियोगिता** : सत्र 2022–23 में खुशी मेड़तवाल XII & तारा चंद कुमावत ने राज्य स्तरीय कराटे प्रतियोगिता में विद्यालय का प्रतिनिधित्व किया।
- **49वीं राष्ट्रीय बाल विज्ञान प्रदर्शनी** का आयोजन गुवाहाटी में किया गया और तनुप्रिया तंवर XII ने विद्यालय के अनुरक्षण शिक्षक श्री अमित अवस्थी के साथ विद्यालय का प्रतिनिधित्व किया। वहीं प्रदर्शनी के सांस्कृतिक कार्यक्रम में खुशी मेड़तवाल ने राजस्थानी लोक नृत्य प्रस्तुत किया। छात्रों के मार्गदर्शक शिक्षक श्री गौरव कच्छावा और सुश्री सृष्टि उपाध्याय थे।
- **राष्ट्रीय जनसंख्या शिक्षा कार्यक्रम** एनसीईआरटी द्वारा राष्ट्रीय जनसंख्या शिक्षा कार्यक्रम के तहत, विद्यालय ने जनसंख्या शिक्षा के लिए एक अलग कक्ष की स्थापना की है। कक्ष का मुख्य उद्देश्य जनसंख्या शिक्षा और स्वस्थ जीवन शैली के बारे में संवेदनशीलता पैदा करना है। मानव संसाधन के महत्व के बारे में भावी पीढ़ी के बीच जागरूकता पैदा करने के लिए भाषण प्रतियोगिता, निबंध, पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता, रोल प्ले जैसी विभिन्न गतिविधियाँ पूरे वर्ष आयोजित की जाती हैं।
- **नाटक एवं लोक नृत्य प्रतियोगिता** राष्ट्रीय जनसंख्या शिक्षा कार्यक्रम के अंतर्गत राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद, नई दिल्ली में 06.12.2022–09.12.2022 तक नाटक एवं लोक नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें दो एस्कॉर्ट शिक्षकों – श्री सरताज सिंह (समन्वयक, एनपीईपी) एवं कुमारी नेहा वर्मा (सदस्य, एनपीईपी) के साथ 11 छात्रों ने भाग लिया। विद्यालय के विद्यार्थियों ने लोक नृत्य में तृतीय स्थान प्राप्त किया तथा नाटक प्रतियोगिता में सांत्वना पुरस्कार प्राप्त किया।

- **कला प्रदर्शनी** : सत्र 2022–23 में विद्यालय के विद्यार्थियों ने राजस्थान ललित कला अकादमी, जयपुर में छात्र कला प्रदर्शनी में भाग लिया
- **अंतर दलीय सहपाठ्यचर्या गतिविधियाँ** : अंतर – दलीय सहपाठ्यचर्या गतिविधियों के उद्देश्य से विद्यालय में 6 सदन हैं। विद्यालय में सभी सांस्कृतिक, खेल, साहित्यिक, रचनात्मक गतिविधियाँ आयोजित की गईं। उपलब्धि हासिल करने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कार व प्रशंसा योग्यता प्रमाण पत्र से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम समन्वयक श्री प्रदीप कुमार नवल थे।
- **विज्ञान प्रदर्शनी एवं गणित प्रदर्शनी :** यह प्रदर्शनी विद्यालय में जूनियर वर्ग (कक्षा VI-VIII) और सीनियर वर्ग (कक्षा IX से XII) के लिए आयोजित की गई, गतिविधियाँ श्री सत्येन्द्र वर्मा और बाबू लाल माली द्वारा आयोजित की गईं।
  श्रीमती कुमारी मीरा सिन्हा के मार्गदर्शन में निम्नलिखित गतिविधियाँ आयोजित कीः –
  1. मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम 04.10.2022 से 08.10.2022
  2. नशा विरोधी जागरूकता कार्यक्रम 16.05.2022 से 31.05.2022
  3. कैरियर प्रदर्शनी 25.01.2023

संस्थान समाचार पत्र/पत्रिका समिति

डॉ. आनंद कुमार आर्य, सह आचार्य एवं अध्यक्ष, विस्तार शिक्षा विभाग (संयोजक)
डॉ. राम निवास, सह आचार्य, हिंदी, (सदस्य)
डॉ. अनिल कुमार नैनावत, छात्र सलाहकार (सदस्य)
डॉ. स्नेह सुधा, सहायक आचार्य, हिंदी (सदस्य)
श्री गुमान सिंह, पीजीटी, हिंदी (सदस्य)
डॉ. दीपक कुमार, पीजीटी, अंग्रेजी (सदस्य)
श्री हरिओम शर्मा, टीजीटी, संस्कृत (सदस्य)
श्रीमती गायत्री जगत्यानी, पीजीटी, हिंदी (सदस्य)
श्रीमती नीलम भदौरिया, टीजीटी, हिंदी (सदस्य)
श्री अभिषेक भारद्वाज, प्रभारी, प्राथमिक अनुभाग (सदस्य)